

पाठ - 6

الدرس السادس - هندي

नमाज़ को तोड़ देने वाली चीज़ें

مبطلات الصلاة

1. जानबूझ कर बातें करना, चाहे कम ही क्यों न हों।
2. पूरे शरीर का क़िब्ला रुख से हट जाना।
3. वुजू को तोड़ने वाली किसी चीज़ का घटित हो जाना।
4. अकारण लगातार हरकत करना।
5. हंस देना, हंसी कम ही क्यों न हो।
6. जानबूझ कर नमाज़ में रुकूअ, सजदा, क़ियाम या कुरूद (बैठक) का इज़ाफ़ा करना।
7. जानबूझ कर इमाम से सबक़त करना।

मसबूक़ (जिसकी नमाज़ का कुछ हिस्सा छूट गया हो)

जिस की नमाज़ का कुछ हिस्सा छूट गया हो, जैसे एक रकअत या उससे ज़्यादा तो वह इमाम के साथ जितना न पढ़ सका हो, तो इमाम के दूसरा सलाम फेरने के बाद पूरा करेगा और मसबूक़ ने इमाम के साथ जिन रकअतों को पाया होगा, वह उसकी नमाज़ का शुरुआती हिस्सा समझा जायेगा। जिस ने इमाम के साथ रुकूअ पा लिया तो उसने पूरी रकअत पाली लेकिन यदि किसी से रुकूअ छूट जाए तो पूरी रकअत छूटी हुई समझी जाएगी।

जब वह व्यक्ति जिसकी नमाज़ छूट रही हो मस्जिद में दाखिल होगा, तो नमाज़ी जिस हालत में भी हों, चाहे खड़े हों, रुकूअ में हों, सजदे में हों, या किसी दूसरी हालत में हों, वह उनके साथ उसी अवस्था में जमाअत में शामिल हो जायेगा। वह नमाज़ियों को अगली रकअत के लिए खड़ा होने का इन्तिजार नहीं करेगा। तकबीर तहरीमा खड़ा होकर ही कहेगा, अलबत्ता यदि वह असमर्थ है, जैसे बीमार आदि तो उसके लिए छूट है।